

हस्तशिल्प के क्षेत्र में कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) का महत्वपूर्ण योगदान

विपणन एवं सेवा विस्तार केन्द्र, आगरा, कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), नई दिल्ली, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्यरत है। जो कि उत्तर प्रदेश के 13 जिलों में हस्तशिल्प के क्षेत्र में कार्यरत है। हस्तकला हमारे देश की प्रचान कला है जो कि धीरे-धीरे खत्म होती जा रही थी। जिसको ध्यान में रखते हुये हस्तशिल्प विभाग का निर्माण किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य प्रत्येक शहर व ग्रामीण क्षेत्रों की हस्तकला को प्रोत्साहन करना है जो कि हस्तशिल्पियों के लिये विभिन्न प्रकार की योजनाओं का संचार करता है। जिससे हस्तकला को विश्व विख्यात बनाया जा सके। हस्तशिल्प हमारी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण मुख्य रूप से ग्रामीण आधारित क्षेत्रों/पिछड़े क्षेत्रों में योगदान प्रदान करता है। जो कि एक केंद्रीकृत/असंगति क्षेत्र के रूप में कार्य करता है। अब यह आर्थिक गतिविधि में महत्वपूर्ण हो गया है। मौजूदा लाखों हस्तशिल्पियों की पवित्रता को बनाये रखने के लिये बल्कि शिल्प गतिविधियों में नए नवागुंतकों की बढ़ती संख्या के लिये हस्तशिल्प कार्यालय का महत्वपूर्ण योगदान है। रोजगार सृजन और निर्यात की तुलना में काफी अनूठे अनुभव हैं। लेकिन इस क्षेत्र में असंगति सामान्य प्रकृति के कारण शिक्षा, पूंजी और नई डिजाइन प्रौद्योगिकियों की कमी, बाजार की रूफिया और गरीब संस्थागत ढांचे की अनुपस्थिति की कमी जैसी अतिरिक्त बाधाएं हैं। वर्तमान में कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प की योजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा है। कार्यालय के अधीन 13 जिले हैं 1. आगरा 2. फिरोजाबाद 3. मैनपुरी 4. मथुरा 5. अलीगढ़ 6. हाथरस 7. एटा 8. इटावा 9. कन्नौज 10. कासगंज 11. औरैया 12. झांसी 13. ललितपुर। कार्यालय निम्न योजनाओं का संचालन कर रहा है:- 1. बाबा साहब अम्बेडकर हस्तशिल्प विकास योजना (ए.एच.वी.बाई), 2. विपणन सहायता एवं सेवाएं कार्यक्रम, 3. डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी, 4. मानव संसाधन विकास, 5. कल्याणकारी योजना 6. इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं प्रौद्योगिकी स्कीम

२१०

(रामअवतार सिंह)
सहा. निदेशक (ह)
मो. - 9456022433



भारत सरकार वस्त्र मंत्रालय



भारतीय
handicrafts
हस्तशिल्प
Continuing tradition

कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

डिजाइन एवं सेवा विस्तार केन्द्र

कला भवन, केन्द्रालय, संजय प्लेस, आगरा

द्वारा शिल्प के उन्नयन एवं सेवा संस्थाओं/हस्तशिल्पियों के लिए संचालित योजनाएँ :-

बाबा साहब अम्बेकर हस्तशिल्प विकास योजना (ए०एच०वी०वाई०)

1. दस्तकार सशक्तीकरण योजना
2. डिजायन एवं तकनीकी उन्नयन
3. मानव संसाधन विकास

शिल्प सहायता एवं सेवाएं कार्यक्रम

1. गाँधी शिल्प बाजार/क्राफ्ट बाजार
2. राष्ट्रीय प्रदर्शनी हस्तशिल्प मेला
3. राष्ट्रीय शिल्प प्रदर्शन (एक्सपोजर) कार्यक्रम
4. क्रेता विक्रेता बैठक एवं कार्यशालाएँ
5. विपणन कार्यशालाएँ
6. प्रचार और ब्रांड संवर्धन

डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी

1. शिल्प जागरूकता कार्यक्रम
2. औद्योगिक सुरक्षा उपकरणों की सफाई हेतु वित्तीय सहायता
3. डिजायन एवं प्रौद्योगिकी विकास कार्यशाला
4. डिजायन एवं प्रौद्योगिकी विकास कार्यशाला
5. हस्तशिल्प क्षेत्र में योगदान हेतु शिल्प गुरु पुरस्कार, राष्ट्रीय पुरस्कार एवं राष्ट्रीय श्रेष्ठता प्रमाण पत्र।

मानव संसाधन विकास

1. विप्लित संस्थानों के माध्यम से प्रशिक्षण
2. हस्तशिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम
3. शिष्य परम्परा के माध्यम से प्रशिक्षण
4. प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करना।

कल्याणकारी योजना

1. आदमी बीमा योजना (ए०ए०वी०वाई०)
2. दखिल गिरफ्तारियों में कारीगर को सहायता (पेन्शन स्कीम)
3. क्रेडिट गारण्टी स्कीम
4. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना
5. पत्र जारी करना और डाय-बेस का निर्माण।

सहायक एवं प्रौद्योगिकी स्कीम

1. लघु हाट, 2. लघु शहरी हाट, 3. एम्पोरियम
4. सोर्सिंग बक्स, 5. हस्तशिल्प संग्रहालय, 6. डिजायन बैंक
7. सामाजिक सुविधा केन्द्र, 8. कच्चा माल डिपो, 9. शिल्पग्राम
1. हाथरस, 2. इटावा, 3. कन्नौज, 4. फिरोजाबाद, 5. आगरा, 6. एटा, 7. झांसी
8. ललितपुर, 9. अजमेर, 10. मथुरा, 11. मैनपुरी, 12. औरैया, 13. कासगंज

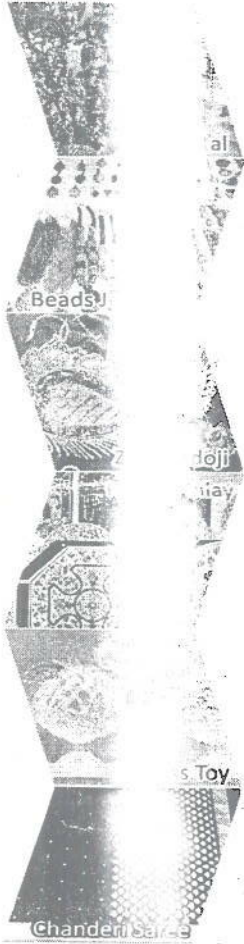
सम्पर्क सूत्र :- श्री रामअवतार, सहायक निदेशक (ह.), आगरा.

मोब. 09456022433

Phone: 0562-2522380

Website: www.handicrafts.nic.in

Email: dchadagr@gmail.com



Wooden Items



Jewellery